सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 45 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 20 मार्च, 2023
मूल्य ₹ 3/-

संसद की है संविधान

शिखर तक पहुंचने के लिए ताकत चाहिए होती है, चाहे वो माउन्ट एवरेस्ट का शिखर हो या आपके पेशे का।
-डां. एपीजे अब्दुल कलाम

के विकास की... 2 | ओवैसी 2024 में कर सकते हैं... 3 | दीदी ने राहुल और कांग्रेस की छवि... 7

5 मिनट में ही संसद ठप

बयान पर घमासान : छठे दिन भी हंगामा

सत्ता पक्ष और विपक्ष अपनी-अपनी मांग पर अड़े

» विपक्षी दलों ने की बैठक
» बिना काम के करोड़ों पानी में गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक बार फिर छठे दिन संसद का सत्र 5 मिनट में ही स्थगित हो गया। विपक्ष और सत्ता पक्ष के सांसदों के हंगामे के बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला नाराज हो गए। और कहा ऐसे सदन कैसे चलेगा और सत्र 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी की माफी और हिंडनबर्ग मामले पर शोर-शराबे के बाद सोमवार को सदन शुरू होते ही ठप हो गई। दोपहर में फिर से दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू हुई पर हंगामें की वजह से एकबार फिर सदन को कल तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

इससे पहले 13 मार्च को बजट के दूसरे चरण का सत्र शुरू हुआ था। सदन शुक्रवार तक लगभग स्थगित ही रहा। उसके बाद शनिवार और रविवार को दो दिन की छुट्टी थी। सोमवार को एक बार फिर सत्र शुरू हुआ लेकिन हंगामे के बाद फिर स्थगित कर दिया गया।

इधर, विपक्षी दलों ने सत्र शुरू होने से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ बैठक की। इसमें सभी नेताओं ने एक सुर में अडाणी मामले की जांच के लिए जेपीसी गठन की मांग को लेकर आवाज उठाने पर सहमति जताई। इसके अलावा राहुल गांधी के घर पुलिस भेजने का मुद्दा भी संसद में उठाने की बात हुई। वहीं लंदन वाले भाषण पर भी बोलने की मांग विपक्ष करेगा। आज की बैठक में भी तृणमूल कांग्रेस ने दूरी बनाए रखी। ममता का कोई भी सांसद या नेता विपक्ष दलों की बैठक में शामिल नहीं हुआ। बजट सत्र के दूसरे चरण का पहला हफ्ताह हंगामें की भेंट चढ़ गया। ये चरण तीन हफ्ते का होना था। जिस तरह से सत्ता व विपक्ष में नोक-झोंक हो रही उससे तो ऐसा लगता है कि यह सत्र पानी में मिल जाएगा। इसी के साथ सरकारी खजाने व आमजन के टैक्स का करोड़ो रुपया पानी में बह जाएगा। एक दिन केसत्र को चलाने में 1.5 करोड़ का खर्च आता है उस हिसाब अब तक 9 करोड़ पानी में चला गया ।

राहुल गांधी ने रूल 357 के तहत बोलने की इजाजत मांगी

राहुल गांधी ने रूल 357 के तहत एकबार फिर लोक सभा में बोलने की इजाजत मांगी है। इससे पहले उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर उनसें संसद में अपने लंदन वाले बयान पर बोलने की इजाजत मांगी थी। पर अध्यक्ष ने उनकी मांग को खारिज कर दिया था इसके लिए उन्होंने ने रुल्स का हवाला दिया था उन्होंने कहा था रूल 357 के तहत ही राहुल को बोलने की इजाजत दी जा सकती है।

सावरकर समझा क्या..ये राहुल गांधी है : कांग्रेस

राहुल गांधी ने दिल्ली पुलिस की नोटिस पर मेल के जरिए 10 पॉइंट में 4 पेज का जवाब दिया है। राहुल ने कहा कि क्या यह मेरी ओर से अडाणी पर दिए गए बयान की वजह से हो रहा है। मैंने बयान 45 दिन पहले दिया था, जिस पर अब अचानक नोटिस देने की क्या जरूरत पड़ गई? देश में अभी भी महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न हो रहा है। राहुल ने इस नोटिस पर विस्तृत जवाब दाखिल करने के लिए 8-10 दिन का समय मांगा है। वहीं, कांग्रेस ने ट्विटर पर लिखा, सावरकर समझा क्या... नाम- राहुल गांधी है।

संसद की कार्यवाही को खुद रोक रही भाजपा : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह ब्रिटेन में राहुल गांधी की हाल की टिप्पणियों को लेकर संसद की कार्यवाही को खुद रोक रही है। भाजपा जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हीरो बनाने की कोशिश कर रही है।

एकबार फिर मोदी सरकार के विरोध में किसान सड़क पर

» महापंचायत में उठाएंगे वादे निभाने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान से एकबार फिर किसानो ने मोदी सरकार के खिलाफ महापंचायत किया। इस महापंचायत में सरकार से वादा निभाने की मांग की गई। इसमें देशभर से बड़ी तादाद में किसान आए। यह महापंचायत किसान आंदोलन की अगुवाई करने वाले संयुक्त किसान मोर्चे के बैनर तले हो रही है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी की मांग के साथ-साथ किसानों की समस्याओं को लेकर यह महापंचायत आयोजित की जा रही है। किसान मोर्चा ने कहा, 'केंद्र सरकार ने 9 दिसंबर 2021 को हमें लिखित में दिए गए आश्वासनों को पूरा करना चाहिए और किसानों के सामने लगातार बढ़ते संकट को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाना चाहिए। एमएसपी पर समिति को भंग करने की भी अपील की है। किसानों की मांगों में पेंशन, कर्ज माफी, आंदोलन के दौरान मरने वालों को मुआवजा और बिजली बिल वापस लेना भी शामिल है।

केंद्र सरकार को 'सुप्रीम' आदेश

» वन रैंक वन पेंशन का बकाया फरवरी 2024 तक दिया जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वन रैंक वन पेंशन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को एक अहम निर्देश दिया है। कोर्ट ने पेंशनरों का सभी बकाया फरवरी 2024 तक देने को कहा रहै। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत केंद्र को 30 अप्रैल 2023 तक वन रैंक वन पेंशन योजना के तहत योग्य पारिवारिक पेंशनरों और सशस्त्र बलों के वीरता विजेताओं को बकाया राशि देने को कहा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने इसी के साथ केंद्र को निर्देश दिया कि 30 जून 2023 तक 70 वर्ष से अधिक के योग्य पेंशनरों को बकाया दिया जाना चाहिए। शीर्ष न्यायालय ने शेष पात्र पेंशनरों को 30 अगस्त 2023, 30 नवंबर 2023 और 28 फरवरी 2024 समान किस्तों में या उससे पहले बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया।

भगवान ले रहे सिसोदिया की परीक्षा : केजरीवाल

राजा हरिशचंद्र से छीन लिया गया था राज-पाठ

» बच्चों के प्रिय मनीष अंकल भी 100 में से 100 नंबर लाकर होंगे पास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मनीष सिसोदिया की तुलना राजा हरीशचंद्र से की है। कहा है कि सच्चाई के रास्ते पर चलने वाले राजा हरीशचंद्र की तरह सिसोदिया की भी भगवान परीक्षा ले रहे हैं। हम सभी जानते हैं कि जब कोई सच्चाई के रास्ते पर चलता है तो भगवान कभी न कभी, कहीं न कहीं उसकी परीक्षा जरूर लेते हैं। ऐसे ही एक बार भगवान ने राजा हरीशचंद्र की परीक्षा ली थी।

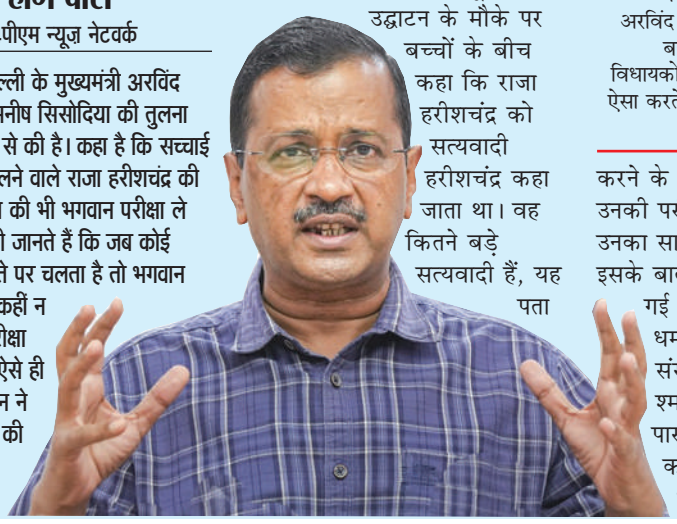

बच्चों के प्रिय मनीष अंकल भी 100 में से 100 नंबर लाकर पास होंगे। मुख्यमंत्री ने रोहिणी में विश्वस्तरीय स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस स्कूल के उद्घाटन के मौके पर बच्चों के बीच कहा कि राजा हरीशचंद्र को सत्यवादी हरीशचंद्र कहा जाता था। वह कितने बड़े सत्यवादी हैं, यह पता करने के लिए एक बार भगवान ने उनकी परीक्षा ली थी। भगवान ने उनका सारा राजपाट छीन लिया था। इसके बाद उनके बेटे की मृत्यु हो गई थी और जब राजा की धर्मपत्नी अपने बेटे का अंतिम संस्कार करने के लिए श्मशान घाट पहुंची तो उनके पास बेटे की लाश को ढकने को कफन खरीदने के लिए भी पैसे नहीं थे। भगवान इसी तरह से सिसोदिया की भी परीक्षा ले रहे हैं।

आरोप बेबुनियाद और मनगढ़ंत : बिधूड़ी

नई दिल्ली। विधानसभा नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि आप पार्टी के नेताओं ने हताशा में भाजपा पर बेबुनियाद और मनगढ़ंत आरोप लगाए हैं। हर बार अरविंद केजरीवाल के घोटालों का पर्दाफाश होता है, लेकिन घोटालों पर जवाब देने के बजाय आप नेता यह रोना शुरू कर देते हैं कि उनकी सरकार को खतरा है, उनके विधायकों की खरीद-फरोख्त की जा रही है। केजरीवाल जांच से ध्यान भटकाने के लिए ऐसा करते हैं। बिधूड़ी ने यह भी कहा कि आप के दो मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में हैं, जिसके मास्टरमाइंड अरविंद केजरीवाल थे।

बच्चों के सामने पढ़ा सिसोदिया का संदेश

मुख्यमंत्री ने बच्चों के बीच सिसोदिया का जेल से भेजा गया संदेश भी पढ़ा। कहा कि सिसोदिया ने संदेश में कहा है कि मैं जहां भी हूं, ठीक हूं। आप लोग मेरी चिंता मत करना, आप अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना। उन्हें जेल में भी बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य की चिंता है। अच्छे नंबर लाकर पास होना है और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना।

फीडबैक यूनिट का मामला कल्पना : राघव

» आप विधायकों को भाजपा से मिल रही धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने कहा कि फीडबैक यूनिट का मामला कल्पना पर आधारित है। यदि उपमुख्यमंत्री बड़े नेताओं की जासूसी कर रहे थे तो केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को पता क्यों नहीं चला। ऐसे अधिकारियों को निलंबित करना चाहिए। वहीं भाजपा पर आप विधायकों को खरीदकर सरकार गिराने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान देश की सुरक्षा पर नहीं है तो चीन-पाकिस्तान से कैसे लड़ पाएगी। उनका फोकस बस आम आदमी पार्टी को रोकने पर है। सिसोदिया पर दर्ज यह मुकदमा झूठा है। भाजपा इस मामले में पूरी तरह से झूठ बोल रही हे। चीन भारत की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करता है, पाकिस्तान अपनी नापाक कोशिशें करता रहता है, लेकिन हमारी जांच एजेंसियां मनीष सिसोदिया को पकड़ कर जेल में डालती हैं। भाजपा ने केवल एक ही मकसद से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के दाहिने हाथ मनीष सिसोदिया के खिलाफ जासूसी के नाम पर एफआईआर दर्ज की है, ताकि वह जेल से बाहर ना आ पाएं। इसी कवायद में पूरी केंद्र सरकार लगी है।

जनता सब देख रही है, चुनाव में सिखाएगी सबक : गहलोत

» राहुल के घर पुलिस पहुंचने पर बिफरे मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। दिल्ली पुलिस रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के घर पहुंची है। पुलिस की टीम राहुल से कश्मीर में दिए गए बयान को लेकर बात करना चाहती थी। पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला किया।

उन्होंने कहा कि इस तरह के सरकारी आदेश के के बाद सरकारों का क्या हश्र होता है वो याद रखना चाहिए। इससे पहले जनता पार्टी की सरकार के समय भी ऐसा हुआ था उसके बाद सरकार को जाना पड़ा था। गहलोत ने कहा- पुलिस का राहुल के घर जाना और फिर अंदर घुसना उस जमाने की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि उससमय में इस तरह की हरकतें हुईं थीं तो उसका परिणाम क्या हुआ था सबको मालूम है क्या हुआ था, मुंह की खानी पड़ी थी उन लोगों को।

मतभेद भुलाकर राजस्थान में काम करें : खुर्शीद

जयपुर। जयपुर में एक कार्यक्रम में खुर्शीद ने दोनों नेताओं को आपसी मतभेद सुलझाने की नसीहत दी है। राजस्थान के आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद बोले सचिन पायलट की जगह यदि मैं भी होता तो मेरे मन में यह विश्वास होता कि आने वाला कल हमारा है तो आज की क्यों चिंता करें? सचिन पायलट को लेकर खुर्शीद ने कहा कि वो मेरे दोस्त के बेटे हैं। वे जवान हैं और राजस्थान में बहुत काम किया है। मैं उनका बड़ा सम्मान करता हूं। रही बात अशोक गहलोत की तो उनके साथ काम किया है। वे अनुभवी नेता हैं। उनका प्रभाव भी है। केंद्र में भी रहे हैं, हम सब उनके प्रशंसक हैं। हमें उन पर बड़ा विश्वास है। हमें बैठकर समाधान निकाले हुए एक साथ चुनाव लड़ना होगा।

संसद की है संविधान के विकास की जिम्मेदारी

» उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बोले- न्यायपालिका व कार्यपालिका की कोई भूमिका नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एकबार फिर न्यायपालिका व कार्यपालिका पर निशाना साधा है। उन्होंने कॉलेजियम प्रणाली को लेकर चल रही तनातनी के बीच कहा कि संविधान का विकास संसद में होना है एवं न्यायपालिका और कार्यपालिका सहित किसी अन्य सुपर निकाय या संस्था की इसमें कोई भूमिका नहीं है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ तमिलनाडु के पूर्व राज्यपाल पीएस राममोहन राव के संस्मरण के विमोचन के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह संविधान की प्रधानता है जो लोकतांत्रिक शासन की स्थिरता, सद्भाव और उत्पादकता निर्धारित करती है और लोगों के जनादेश को दर्शाने वाली संसद संविधान का अंतिम और विशिष्ट निकाय है। धनखड़ ने आगे कहा कि संविधान को संसद के जरिए लोगों से विकसित होना है, कार्यपालिका से नहीं। संविधान को विकसित करने में कार्यपालिका की कोई भूमिका नहीं है, न्यायपालिका सहित किसी अन्य संस्था की भी नहीं है। उन्होंने कहा कि संविधान का क्रमिक विकास संसद के माध्यम से होना चाहिए और इसको देखने के लिए कोई सुपर निकाय नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि वह विरोधाभास के डर के बिना टिप्पणी कर रहे हैं और उन्होंने संविधान सभा की चर्चा के साथ ही उन देशों के संविधानों का अध्ययन किया है जहां लोकतंत्र फलता-फूलता है।

सीजेआई ने कॉलेजियम को बताया था अच्छी प्रणाली

उच्च न्यायालयों एवं उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर न्यायपालिका तथा सरकार के मध्य खींचतान के बीच प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने एक दिन पहले कॉलेजियम प्रणाली का बचाव करते हुए कहा था कि हर प्रणाली दोष से मुक्त नहीं है, लेकिन यह सबसे अच्छी प्रणाली है, जिसे हमने विकसित किया है।

ममता बनर्जी सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका

» कंबल वितरण कांड में बीजेपी नेता की गिरफ्तारी पर लगाई रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार को सुप्रीम कोर्ट में करारा झटका लगा है। आसनसोल में कंबल वितरण कांड में भगदड़ में तीन लोगों की मौत के मामले में बीजेपी नेता जितेंद्र तिवारी की गिरफ्तारी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। पुलिस ने घटना में जितेंद्र तिवारी को नोएडा से गिरफ्तार किया है। आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के खुफिया विभाग और आसनसोल नॉर्थ थाना पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर उसे नोएडा के यमुना एक्सप्रेस वे से गिरफ्तार किया था। आसनसोल कोर्ट ने उन्हें 8 दिन की पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने जितेंद्र तिवारी मामले में नोटिस जारी कर राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। शीर्ष अदालत ने आसनसोल नगर पालिका के दो महापौर गौरव गुप्ता और तेज प्रताप सिंह की संभावित गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। जितेंद्र तिवारी के वकील पीएस पटवालिया ने शीर्ष अदालत में शिकायत की कि जितेंद्र तिवारी को राज्य पुलिस ने नोएडा एक्सप्रेसवे से 'अपहरण' कर लिया था।

ओवैसी 2024 में कर सकते हैं उलटफेर!

मुस्लिमों के मुद्दे उठाकर सरकार को भी घेरेंगे

» सभी पार्टियों पर करते हैं तीखा हमला

» महागठबंधन को ओवैसी केआने से नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राजनैतितिक दल अपने -अपने हिसाब से तैयारी में जुटे हैं। भाजपा, कांग्रेस से लेकर सभी क्षेत्रीय दल अपने नफे-नुकसान के आधार पर सियासी समीकरण बना रही है। किसी की हिंदू तो किसी की मुस्लिम वोट नजर है। बड़ी पार्टी हो या छोटे दल सबकी नजर मुस्लिमों के लगभग 20 प्रतिशत वोटों पर है। सारे दलों ने इसी को ध्यान में रखकर अपने यहां कुछ बड़े मुस्लिम चेहरों को पार्टी से जोड़कर रखा है। जैसे भाजपा में मुख्तार अब्बास नकवी , शहनवाज हुसैन मुस्लिम मामलों पार्टी का पक्ष रखते हैं तो आजम खान, शफीकुर्रर बर्क सपा की रायशुमारी करते हैं।

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस में सलमान खुर्शीद, राशिद अल्वी पार्टी का स्टैंड बयां करते हैं। पर इन सबसे असुद्दीन ओवैसी अलग विचार रखते हैं, उनका मानना है कि मुस्लिमों को किसी के पीछे चलने की जरूरत नहीं वो स्वयं अपना लीडरशीप तैयार करे ताकि संसद में उनको ज्यादा ये ज्यादा प्रतिनिधित्व मिल सके। हालाकि ओवैसी की पार्टी को बहुत लोग वोट कटुआ पार्टी मानते है तो कुछ लोग इसको भाजपा की बी टीम भी बता देते हैं।

सीमांचल में,एएमएआईएफ के जनाधार का पहली बार पता तब चला, जब 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में इसके 5 एमएलए चुने गये थे। हालांकि दुर्भाग्य यह रहा कि उनमें 4 बाद में पाला बदल कर आरजेडी का हिस्सा बन गये। ओवैसी इस बात से भी आरजेडी के प्रति बेहद गुस्से में हैं। वे इसका बदला लेने की नीयत से ही सीमांचल में अपनी सक्रियता फिर से बढ़ाने पहुंचे हैं। अर्से तक मुस्लिम आरजेडी के समर्थक रहे। नीतीश के नेतृत्व में जब एनडीए की सरकार बनी तो मुस्लिमों का रुझान जेडीयू की तरफ बढ़ा। आरजेडी के आधार वोट को नीतीश ने अपने पाले में कर लिया। इसके लिए नीतीश ने बड़े कायदे से काम किये। सबसे पहले पिछड़े मुसलमानों की पसमांदा श्रेणी बना कर उन्होंने उनको अपनी ओर आकर्षित किया। बाद में वे अपने कुछ और कामों से मुसलमानों में लोकप्रिय होते गये। आरजेडी के समीकरण का रू(मुस्लिम) अब नीतीश का बन गया।

बिहार में धमाल करेंगे ओवैसी

एआईएममम सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी 2020 के विधानसभा चुनाव के बाद एक बार फिर धमाल मचाने बिहार पहुंचे हैं। मुस्लिम बहुल सीमांचल में उनकी सक्रियता से महागठबंधन के वोट बैंक में सेंध लगने का खतरा बढ़ गया है। यह भाजपा के लिए खुश करने वाली खबर है। बीजेपी को ओवैसी की सक्रियता से काफी फायदा होता है। बीजेपी का मानना है कि ओवैसी महागठबंधन के वोट बैंक तो अपनी ओर करने में सफल होते हैं। सीमांचल में सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी के पहुंचने के साथ ही सियासी सरगर्मी बढ़ गयी है। ओवैसी दो दिनों तक सीमांचल के मुस्लिम बहुल जिले किशनगंज के अलग-अलग क्षेत्रों में सभाएं करेंगे। इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और महागठबंधन के नेता भी इस इलाके में सभाएं कर चुके हैं। मुस्लिम बहुल होने के कारण महागठबंधन को अपना बड़ा वोट बैंक सीमांचल में दिखता है। इसलिए कि महागठबंधन के बड़े घटक आरजेडी के (मुस्लिम-यादव) समीकरण के एक हिस्से मुस्लिम यहां अधिक प्रभावकारी हैं। कहने को तो यह 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी है, लेकिन वास्तव में महागठबंधन और एनडीए सीमांचल में 2025 के विधानसभा चुनाव की तैयारी भी अभी से ही लग गए हैं। अब तो ओवैसी ने एंट्री मार ली है। ओवैसी का आना महागठबंधन के लिए जहां खतरे की घंटी है, वहीं बीजेपी खेमे में इससे खुशी की लहर है।

सीमांचल की छान रहें खाक

एआईएमआईएम की योजना के मुताबिक असदुद्दीन ओवैसी 18-19 मार्च को सीमांचल के कई विधानसभा क्षेत्रों में सभाएं करेंगे। उनके इस दौरे को लेकर एआईएमआईएम समर्थकों में जबरदस्त उत्साह है। ओवैसी पहले दिन पूर्णिया के बायसी और डगरुआ में कार्यकर्ता सम्मेलन करेंगे। अमौर प्रखंड के खाड़ी घाट में भी उनकी जनसभा रखी गयी है। देर शाम वे कोचाधामन प्रखंड के भट्टा हाट में सभा करेंगे। रविवार को ओवैसी बहादुरगंज विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर कार्यकर्ता सम्मेलन करेंगे। पोठिया प्रखंड के भेड़भेरी से खरखड़ी घाट तक पद यात्रा भी करेंगे। स्थानीय मुद्दों को लेकर पार्टी ने 11 सूत्री मांग पत्र तैयार किया है। इसी मांग पत्र के साथ ओवैसी जनता के बीच जाएंगे। उनका फोकस उन विधानसभा क्षेत्रों पर अधिक है, जहां से उनके उम्मीदवार जीते थे। झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान का कहना है कि उनके विधायकों को आरजेडी ने अपने पाले में कर लिया। उसका हिसाब लोकसभा चुनाव में पार्टी जरूर लेगी।

बीजेपी से अलग होकर नीतीश ने भरोसा जीता

अतीत में बिहार की सियासत में कुछ ऐसी घटनाएं हुईं, जिससे मुसलमानों का नीतीश पर भरोसा बढ़ा। पहली घटना तब की है, जब गुजरात का सीएम रहते नरेंद्र मोदी ने बिहार में बाढ़ राहत के लिए मदद भेजी। नीतीश ने मदद लेने से इनकार कर दिया। मदद का चेक वापस नरेंद्र मोदी के पास पहुंच गया। नीतीश ने अपने इस आचरण से यह दर्शाने की कोशिश की कि गुजरात दंगे के आरोपी सीएम से वह मदद नहीं ले सकते। इतना ही नहीं, वे बीजेपी के साथ रहते हुए भी उसके स्टार प्रचारक के रूप में नरेंद्र मोदी को बिहार आने से रोकते रहे। हद तो तब हो गयी, जब उन्होंने बीजेपी द्वारा नरेंद्र मोदी को पीएम कैंडिडेट घोषित करते ही बीजेपी से कुट्टी कर ली। 2014 का लोकसभा चुनाव नीतीश की पार्टी जेडीयू ने पहली बार अलग लड़ा। फिर 2015 में आरजेडी और कांग्रेस के साथ बने महागठबंधन का हिस्सा जेडीयू बन गया। नरेंद्र मोदी से नीतीश की नफरत ऐसी रही कि एक बार पटना आने पर उन्होंने पहले से दिये भोज को अचानक रद्द कर दिया था। सीएए और एनआरसी के मसले पर भी नीतीश ने अपने विरोध के जरिये स्टैंड क्लीयर कर दिया। इन्हीं वजहों से आरजेडी से सटे मुसलमान नीतीश की पार्टी जेडीयू में अधिक अपनत्व देखने लगे।

ओवैसी के आने से बीजेपी को मिलेगा लाभा

बिहार के मुस्लिम बहुल इलाके ओवैसी को सूट करते हैं। यही वजह है कि 2020 में उन्होंने सीमांचल से अपने उम्मीदवार उतारने का पहला प्रयोग किया। इसमें उन्हें अप्रत्याशित कामयाबी भी मिली। बाद में विधानसभा की दो सीटों- कुढ़नी और गोपालगंज के लिए हुए उपचुनावों में भी ओवैसी के उम्मीदवारों का असर दिखा। गोपालगंज में अगर ओवैसी के उम्मीदवार ने वोट नहीं काटे होते तो आरजेडी के उम्मीदवार का जीतना तय था। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि ओवैसी की पार्टी अगर चुनाव मैदान में उतरती है तो उसके उम्मीदवार भले न जीतें, पर महागठबंधन के कैंडिडेट के जीतने में बाधा तो बन ही सकते हैं। बीजेपी तो यही चाहती भी है। महागठबंधन के वोट कट जाएं और हिन्दुत्व के नाम पर हिन्दू वोटों का ध्रुवीकरण बीजेपी की सफलता के लिए आवश्यक है।

वोट कटुवा पार्टियों से बचना जरूरी

मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में इस साल चुनाव होने हैं। छोटी पार्टियां भी इनमें दावं लगाएंगी। हालांकि ये दल कुछ खास हासिल नही कर पाते पर बड़े सियासी दलों को नुसकान जरूर पहुंचा देते हैं। आजकल राजस्थान में इनकी सक्रियता कुछ ज़्यादा ही है। आप और ओवेसी ने अभी से ताल ठोक दी है। ओवेसी बीस-तीस सीटों पर और आप पार्टी राजस्थान की सभी सीटों पर चुनाव लडने की योजना बना चुकी है। दरअसल, ये दोनों ही पार्टी राजनीति में वोट कटुवा का काम करती हैं। इन्हें खुद को ज़्यादा कुछ नहीं मिलता। दूसरी बड़ी पार्टियों को ये अच्छा- ख़ासा नुक़सान और फ़ायदा करवाती हैं। अगर आप को याद हो तो गुजरात में यही हुआ था। ज़ोर-शोर से आप पार्टी गुजरात के चुनाव मैदान में उतरी थी। खूब हल्ला मचाया। खूब पब्लिसिटी पाई। आप पार्टी को आख़िरकार ज़्यादा कुछ नहीं मिला लेकिन कांग्रेस की खाट खड़ी हो गई और भाजपा की पौ बारह। इतिहास में गुजरात की किसी पार्टी को जितनी सीटें नहीं मिलीं, उतनी पर भाजपा की विजय हुई। भोपाल के भेल दशहरा मैदान पर आम आदमी पार्टी ने मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव का शंखनाद किया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सभा करके कहा था- मध्यप्रदेश में सरकारें बेची और खरीदी जाती हैं। यहां एमएलए की खरीदी-बिक्री पर डिस्काउंट भी मिलता है। ये गुजरात वाला कॉम्बिनेशन शायद भारतीय राजनीति में लम्बा चलने वाला है। आप पार्टी अब लगता है हर प्रदेश के चुनाव में आ धमकेगी और कांग्रेस की बची- खुची सीटों को भी खा जाने का काम करेगी। दरअसल, आप पार्टी के आ जाने से चुनाव पेचीदा होता नहीं है, बनाया जाता है। बताया जाता है। हवा इस तरह बनाई जाती है जैसे सरकार अब आप पार्टी की ही बनने वाली है। नजीजे जब आते हैं तो पता चलता है ज़्यादातर सीटों पर आप पार्टी के प्रत्याशियों की ज़मानत तक ज़ब्त हो गई है। तो फिर सवाल ये उठता है कि आप के होने से किसी का भारी नुक़सान या किसी का भारी फ़ायदा कैसे होता है?वहीं राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह जिले जोधपुर में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन-एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी पहुंचे थे। उन्होंने कहा था- राजस्थान में मुस्लिमों के हालात पर सर्वे करवा रहे हैं। जब चुनाव आते हैं तो कहते हैं सेकुलरिज्म को जिंदा रखो।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जलवायु परिवर्तन : भारत की भूमिका अहम

भारतीय मूल के कई लोग कुछ सालों से विश्व के बड़े संस्थानों में ऊंचे पदों पर पहुंचे। यहां तक राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष तक बने हैं। ये लोग यह मुकाम अपनी विशिष्टताओं की वजह से हासिल कर पाए। कोई आर्थिक तो कोई चिकित्सका तो को पर्यावरण या तकनीक के क्षेत्र में दक्ष है। अभी हाल में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा विश्व बैंक के अगले प्रेसीडेंट के बतौर नामित भारतीय मूल के अजय बंगा भी ऐसे ही खूबियों के मालिक हैं। वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लक्ष्य को आगे बढ़ाएंगे। इसके साथ उनका खास फोकस गरीबी हटाने पर होगा। वे अपनी उम्मीदवारी के पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए एक माह तक दुनिया का दौरा करेंगे। बंगा को विभिन्न देशों को भरोसा दिलाना पड़ेगा कि प्राइवेट सेक्टर में उनका कई दशक का अनुभव विश्व बैंक को बदलने में उनकी मदद करेगा। बंगा अगले हफ्ते अपना ग्लोबल लिसनिंग टूर आइवरी कोस्ट और केन्या से शुरू करेंगे। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के एक अधिकारी ने बताया, दोनों देशों में बंगा जोर देंगे कि जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों को विकास के साथ कैसे रखा जा सकता है।

वे अपने अभियान के तहत एशिया, लेटिन अमेरिका और यूरोप भी जाएंगे। जून में विश्व बैंक का प्रेसीडेंट पद छोड़ने की इच्छा जता चुके डेविड मेलपास ने पिछले साल जीवाश्म ईंधन से ग्लोबल वार्मिंग होने पर संदेह जताकर विवाद खड़ा कर दिया था। बंगा ने इस सप्ताह स्पष्ट किया कि जलवायु परिवर्तन के कारणों को लेकर उन्हें कोई संदेह नहीं है। उसके होने के वैज्ञानिक सबूत हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और गरीबी कम करने के लक्ष्य एक दूसरे से जुड़े हैं और महत्वपूर्ण हैं। कुछ जलवायु समूहों ने सार्वजनिक क्षेत्र के सीधे अनुभव की कमी और तेल, गैस उद्योगों में निवेश करने वाली कंपनियों से बंगा के जुड़े रहने पर चिंता जताई है। स्वयंसेवी संगठन रिकोर्स ने एक बयान में कहा है, कई लोग सवाल उठाते हैं कि सिटी बैंक, नेस्ले, केएफसी और मास्टर कार्ड जैसी मल्टीनेशनल कंपनियों से जुड़ें रहने के कारण क्या वे गरीबी और असमानता की बड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार हैं। अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति अल गोर सहित कई प्रमुख एक्टिविस्ट उनकी तारीफ करते हैं। अल गोर का कहना है, बंगा जलवायु संकट पर विश्व बैंक को नेतृत्व की नई भूमिका के लिए तैयार करेंगे। वहीं अजय बंगा कहते हैं, भारत में जन्म लेने और शिक्षा प्राप्त करने के नाते वे वर्ल्ड बैंक में विविधता और अनूठा नजरिया लेकर आएंगे। जोर दिया कि मास्टर कार्ड में उन्होंने महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाया है। उन्हें सीनियर पदों पर नियक्त किया है। अमेरिकी सरकार को इस बात का श्रेय दिया जाना चाहिए कि उन्होंने ऐसे व्यक्ति का चयन किया है जो अमेरिका में जन्मा और शिक्षित नहीं हुआ है। भारतीय के लिए भी यह गर्व की बात है उनके देश के आदमी को इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।

> भी हाल में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा विश्व बैंक के अगले प्रेसीडेंट के बतौर नामित भारतीय मूल के अजय बंगा भी ऐसे ही खूबियों के मालिक हैं। वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लक्ष्य को आगे बढ़ाएंगे। इसके साथ उनका खास फोकस गरीबी हटाने पर होगा। वे अपनी उम्मीदवारी के पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए एक माह तक दुनिया का दौरा करेंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

और भी वजहें हैं जनतंत्र के अपमान की

विश्वनाथ सचदेव

कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी ने लंदन में जाकर आखिर ऐसा क्या कह दिया है कि सत्तारूढ़ दल बौखला गया है? देश के प्रधानमंत्री से लेकर संसद के दोनों सदनों में भाजपा के नेता एक स्वर में राहुल गांधी पर देश के जनतंत्र और देश की '130 करोड़ जागरूक जनता' का अपमान करने का आरोप लगा रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि राहुल गांधी अपने किये-कहे के लिए 'माफी' मांगें। उन्हें यह माफी इतनी जरूरी लग रही है कि संसद में महत्वपूर्ण बजट सत्र की कार्यवाही तक की परवाह नहीं है।

लंदन में विभिन्न आयोजनों में राहुल गांधी ने जो कुछ कहा, वह दुनियाभर में पढ़ा-सुना गया है। सच तो यह है कि सूचना-क्रांति के आज के दौर में कहीं भी, कुछ भी कहा जाये वह देखते-देखते सार्वजनिक संपत्ति बन जाता है। वैसे राहुल गांधी के इस बयान में ऐसा कुछ भी नहीं है जो उन्होंने भारत की संसद या भारत में जन-सभाओं में नहीं कहा हो। कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक की अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' में वह लगातार इसी तरह की, कहना चाहिए यही बातें कहते रहे हैं। देश में जनतांत्रिक मूल्यों या परंपराओं के क्षरण की बात हो या स्वायत्त एजेंसियों के दुरुपयोग की, इनसे संबंधित आरोप राहुल गांधी समेत विपक्ष के लगभग सभी नेता अरसे से लगाते रहे हैं। होना तो यह चाहिए था कि सत्तारूढ़ दल विपक्ष से इन आरोपों के प्रमाण मांगता या फिर अपनी ओर से ऐसे तथ्य सामने रखता जो विपक्ष के आरोपों को गलत सिद्ध करते। या फिर लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति राहुल गांधी से यह पूछते कि कब-कब उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया गया अथवा सदन में माइक बंद किया गया। अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार जनतंत्र में नागरिक के मौलिक अधिकारों में गिना जाता है। जनता के मौलिक अधिकारों का हनन किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। आपातकाल के दौरान तत्कालीन सत्तारूढ़ दल की नेता इंदिरा गांधी ने यही अपराध किया था, और तब देश की जनता ने उन्हें इस बात की सज़ा भी दी थी। आज राहुल गांधी सत्तारूढ़ दल पर ऐसा ही आरोप लगा रहे हैं।

आज जिस तरह सरकारी एजेंसियों को विपक्ष को प्रताड़ित करने का हथियार बनाये जाने के आरोप लग रहे हैं, उसका मुकाबला 'माफी मांगो' शोर करने से नहीं हो सकता। आज सत्तारूढ़ दल को यह बुरा लग रहा है कि कांग्रेस पार्टी का नेता विदेश की धरती पर जाकर देश के जनतंत्र का अपमान कर

रहा है। अच्छी बात है यह कि सत्ता में बैठे लोगों को देश के गौरव की चिंता हो रही है। पर क्या देश का अपमान मात्र यह कहने से ही हो जाता है कि हमारे यहां जनतांत्रिक परंपराओं को तोड़ा जा रहा है? हां, ऐसा होने से देश का अपमान होता है, पर इसके लिए दोषी वे हैं जिनके कंधों पर हमने इन परंपराओं के पालन की जिम्मेदारी सौंपी है। देश या जनतंत्र का अपमान जिन बहुत-सी बातों से होता है उनमें गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के मुद्दे भी आते हैं। आज हमारा देश आर्थिक ताकत के रूप में उभर रहा है। आज हमारे देश की तरफ दुनिया उम्मीद भरी निगाहों से देख रही है। अच्छी लगती हैं ये बातें। लगनी भी चाहिये। पर क्या यह भी हकीकत नहीं है कि देश की अस्सी करोड़ जनता को मुफ्त खाद्यान्न देना पड़ रहा है? है यह उपलब्धि, पर इसके साथ ही यह सवाल भी जुड़ा है कि देश की अस्सी करोड़ आबादी की स्थिति ऐसी क्यों हो गयी कि उसे दो समय के भोजन के लिए सरकारी अनुकंपा पर जीना पड़ रहा है? सरकार जरूरतमंद को खाद्यान्न दे रही है, अच्छी बात है, पर इस सवाल का जवाब भी तो कोई देगा? और फिर यदि आज कोई इस स्थिति को उजागर करता है तो इसे देश के अपमान की कोशिश क्यों माना जा रहा है? हां, देश अपमानित होता है जब यह बात उजागर होती है कि सारी कथित कोशिशों के बावजूद बेरोजगारी कम नहीं हो रही। महंगाई को कम करने में विफलता भी देश को बदनाम करती है। देश तब भी बदनाम होता है जब धर्म के नाम पर दंगे भड़काये जाते हैं, देश तब भी बदनाम होता है जब जाति के नाम पर वोट मांगे जाते हैं।

हाल ही में किए गये एक सर्वेक्षण के अनुसार देश की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है। दूसरे नंबर पर महंगाई आती है। तीसरा स्थान गरीबी का है और फिर नंबर आता है भ्रष्टाचार का। यह सारी समस्याएं ऐसी हैं जिनका बने रहना राष्ट्रीय शर्म का विषय होना चाहिए। सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग भी इसी श्रेणी में आता है। और जनतंत्र के औचित्य तथा सफलता का तकाजा है कि गरीबी कम हो, महंगाई कम हो, बेरोजगारी कम हो, सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कम हो। यह तभी संभव है जब इस बात को बार-बार उजागर किया जाये। बार-बार इस बात को सामने लाने की जरूरत है कि जनतंत्र के मूल्यों-आदर्शों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए।

महासमर के सेमीफाइनल की तैयारी

ललित गर्ग

कोविड-19 वायरस की तरह ही है इन्फ्लूएंजा का विषाणु। यह इन दिनों देश में अपना खतरनाक प्रभाव दिखाने लगा है, जिससे अब तक हरियाणा और कर्नाटक में एक-एक मौत भी हो चुकी है। इस नये वायरस से खांसी, बुखार और गले में जलन की तकलीफें बढ़ रही हैं। इन दिनों गला खराब होने की शिकायत आम है जो पीड़ित को लम्बे समय तक परेशान कर रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में एच3एन2 वायरस के लगभग 90 मामले सामने आए हैं। एच1एन1 वायरस के आठ मामलों का भी पता चला है। विशेषज्ञों के अनुसार वायरस अत्यधिक संक्रामक है और संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने और निकट संपर्क से फैलता है।

डॉक्टरों ने नियमित रूप से हाथ धोने और मास्क लगाने समेत कोविड जैसी सावधानियों की सलाह दी है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने छींकने और खांसने के दौरान मुंह और नाक को ढंकने, बहुत सारे तरल पदार्थ, आंखों और नाक को छूने से बचने और बुखार और शरीर में दर्द के लिए पेरासिटामोल के सेवन का आग्रह किया है। नये वायरस को लेकर बरती जा रही लापरवाही नुकसान का कारण बन सकती है। इसलिए भी लोगों को अपने स्वास्थ्य को लेकर लगातार सावधानी बरतने की अपेक्षा है। बाहर निकलते समय ऐसे तमाम उपाय अपनाने चाहिए जिनसे वातावरण में पनप रहे विषाणुओं को शरीर में प्रवेश करने से रोका जा सके। पर ऐसी स्थितियों में सरकारी स्वास्थ्य तैयारियां भी पहले से रहनी चाहिए, ताकि लोगों में अफरातफरी जैसी स्थिति न बनने पाए। आम जनता भी अपनी जीवनशैली को सात्विक एवं संयममय बनाये, ताकि नये वायरस का प्रभाव कम से कम हो। पिछले कुछ महीनों से अधिकांश लोग खांसी के शिकार होते हुए देखे गये हैं। देश में फ्लू के मामले भी बढ़ रहे हैं। अधिकांश संक्रमण एच3एन2 वायरस के कारण होते हैं, जिसे 'हांगकांग फ्लू' के रूप में भी जाना जाता है। यह वायरस देश में अन्य इन्फ्लुएंजा उपप्रकारों की तुलना में अधिक खतरनाक है जो अस्पताल में भर्ती होने का कारण बनता है।

भारत में अब तक केवल एच3एन2 और एच1एन1 संक्रमण का पता चला है। दोनों वायरस में कोविड जैसे लक्षण हैं। जैसा कि सर्वविदित है कि कोविड ने दुनिया भर में लाखों लोगों को संक्रमित किया और 68 लाख लोगों की मौत हुई। महामारी के दो साल बाद बढ़ते फ्लू के मामलों ने लोगों में चिंता पैदा कर दी है। लक्षणों में लगातार खांसी, बुखार, ठंड लगना, सांस फूलना और घरघराहट शामिल हैं। मरीजों ने मतली, गले में खराश, शरीर में दर्द और दस्त की भी सूचना दी है। ये लक्षण लगभग एक सप्ताह तक बने रह सकते हैं। भारत की संस्कृति एवं जीवनशैली ने पूर्व कोरोना कहर को परास्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्योंकि योग, अहिंसा, शाकाहार, संयम आदि जीवन के आधारभूत जीवनमूल्य इसी देश की माटी में रचे-बसे हैं। विशेषत: भारत में जैन धर्म एवं उसका जीवन-दर्शन कोरोना संकट के दौर में समाधान के रूप में सामने आया है, जैनमुनि मुंह पर पट्टी (मुंहपत्ती) बांधते हैं, जिसे मास्क के रूप में समूची दुनिया ने अंगीकार किया था।

सामाजिक दूरी ,आइसोलेशन, व क्वारंटीन जैन मुनि एवं साधक के जीवन के अभिन्न अंग दुनिया के लिये कोरोना मुक्ति के सशक्त आधार बने थे। शाकाहार एवं मद्यपान का निषेध भी जैन जीवनशैली का आधार है, जिनका बढ़ता प्रचलन कोरोना महासंकट से मुक्ति का बुनियादी सच बना था। लगता है कोरोना जाते-जाते दुनिया में शाकाहार का सशक्त वातावरण बना कर गया, लेकिन नये एच3एन2 और एच1एन1 के संक्रमण भी ऐसे भारतीय प्रयोगों एवं उपक्रमों को बड़े पैमाने पर अपनाने की अपेक्षा को जाहिर कर रहे हैं। कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों के अलावा बड़े वयस्कों और छोटे बच्चों जैसे उच्च जोखिम वाले समूहों के लिए संक्रमण गंभीर हो सकता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने हाल ही में डॉक्टरों से आग्रह किया है कि संक्रमण जीवाणु है या नहीं, इसकी पुष्टि करने से पहले मरीजों को एंटीबायोटिक्स न दें, क्योंकि वे एक प्रतिरोध विकसित कर सकते हैं।

एक बार फिर नए विषाणु का संक्रमण तेजी से फैलना शुरू हो गया है। इन्फ्लूएंजा का यह विषाणु भी कोविड विषाणु की तरह ही लोगों को प्रभावित कर रहा है, हालांकि इससे उस तरह भयभीत होने की जरूरत नहीं है, मगर इसका लंबे समय तक लोगों पर असर बना रह रहा है। इस विषाणु के पैदा होने की एक खास वजह मौसम के अचानक सर्द से गर्म होने को बताया जा रहा है। अब यह विषाणु इतनी तेजी से संक्रमण फैला रहा है कि अस्पतालों में भीड़भाड़ देखी जाने लगी है, कई अस्पतालों ने इसके लिए अलग से वार्ड बना दिया है। इसी विषाणु के प्रभाव में कोरोना के मामले भी बड़े हुए दर्ज हो रहे हैं। स्वाभाविक ही स्वास्थ्य विभाग लोगों से सावधान रहने और बचाव के उपाय आजमाने की अपील कर रहा है। मगर इसमें राहत की बात यह है कि भारत की अधिकतर आबादी को कोरोना के टीके लगाए जा चुके हैं, बहुत सारे लोग एहतियाती खुराक भी ले चुके हैं, इस तरह ज्यादातर लोगों में प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो चुकी है। मगर जब भी कोई विषाणु अपने पांव पसारता है, तो स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतने की अपेक्षा सदा बनी रहती है, क्योंकि विषाणु न सिर्फ तेजी से संक्रमण फैलाते, बल्कि अपने रूप भी बदलते रहते हैं, जन हानि का कारण भी बनते हैं।

वाराणसी में मां शैलपुत्री मंदिर

उत्तर प्रदेश की पवित्र नगरी काशी में माता शैलपुत्री का मंदिर है। मां शैलपुत्री देवी के नौ स्वरूपों में से एक हैं, जिनकी पूजा नवरात्रि के पहले दिन होती है। वाराणसी के अलईपुर क्षेत्र में स्थित इस मंदिर में हर साल काफी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि मां शैलपुत्री के दर्शन मात्र से भक्तों की मनोकामना पूरी हो जाती है।

गोरखपुर का तरकुलहा देवी मंदिर

गोरखपुर जिले में तरकुलहा देवी मंदिर है, जो कि चमत्कारी माना जाता है। मान्यता है कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जब कोई अंग्रेज इस मंदिर के पास से गुजरता था तो क्रांतिकारी बंधू सिंह अंग्रेज का सिर काटकर देवी को समर्पित करता था। बाद में अंग्रेजों ने बंधू सिंह को पकड़कर फांसी दी, तो उनका फांसी का फंदा ही टूट गया। ऐसा 6 बार हुआ। जिस पर जल्लाद ने बंधू सिंह से गिड़गिड़ाते हुए कहा कि अगर फांसी नहीं दी तो अंग्रेज उसे मार देंगे। बंधू सिंह ने माता से प्रार्थना की तो सातवीं बार में उसे फांसी हो गई। उसके बाद से इस मंदिर की महिमा दूर दूर तक फैल गई।

यूपी के प्रसिद्ध मंदिरों में करें माता के दर्शन

चैत्र नवरात्रि 2023 की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है। नवरात्रि नौ दिनों का पावन पर्व है, जिसमें मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना होती है। वहीं लोग नौ दिनों का उपवास करते हैं और इन नौ दिन माता का पूजा अर्चना व भजन करते हैं। चैत्र नवरात्रि का समापन राम नवमी को होता है। मां दुर्गा की पूजा के लिए घर के मंदिर के अलावा भारत में कई अद्भुत व प्रसिद्ध मंदिर हैं, जिनकी महिमा पूरे देश में विख्यात है। मान्यता है कि देवी सती के अंग धरती पर जहां गिरे वह शक्तिपीठ बन गया और ऐसे ही 52 शक्तिपीठों में भक्त माता के दर्शन के लिए जाते हैं। इसके अलावा हिंदुओं की आस्था से जुड़े कई मंदिर विभिन्न शहरों में भी स्थापित हैं। नवरात्रि के मौके पर आप इन प्रसिद्ध देवी मंदिरों के दर्शन करने जा सकते हैं। अगर आप उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं तो आपको किसी दूसरे राज्य जाने की जरूरत नहीं। यूपी में कई चमत्कारी और प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर हैं, जहां इस नवरात्रि दर्शन के लिए जा सकते हैं।

प्रयागराज का प्रयाग शक्तिपीठ मां ललिता मंदिर

संगम नगरी प्रयागराज में भी माता का शक्तिपीठ है। यहां माता सती के हाथ की उंगली गिरी थी। इसे मां ललिता मंदिर के नाम से जाना जाता है। ऐसे ही ती और मंदिर प्रयागराज में हैं और सभी को शक्तिपीठ मानकर पूजा की जाती है।

बलरामपुर का देवी पाटन मंदिर

बलरामपुर जिले में देवी के 52 शक्तिपीठों में से एक स्थित है, जिसे देवी पाटन मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह जिले के तुलसीपुर में स्थित है। यहां माता सती का वाम स्कंध के साथ पट गिरा था। इस कारण इस शक्तिपीठ का नाम पाटन पड़ा। वहीं देवी को माता मातेश्वरी के नाम से पूजा जाता है।

सीतापुर में माता ललिता देवी मंदिर

नैमिष धाम उत्तर प्रदेश के सबसे पवित्र स्थानों में शामिल है। यह स्थान सीतापुर के मिश्रिख में स्थित है। नैमिष धाम में मां ललिता देवी का मंदिर है, जहां दूर दराज से भक्त पहुंचते हैं। ललिता माता मंदिर 52 शक्तिपीठों से एक है। मान्यता है कि यहां माता सती का हृदय गिरा था।

हंसना मना है

अर्थी से मुर्दा भी उस वक्त खड़ा हो गया.... जब...पीछे से रोती हुई पत्नी बोली कि... मैंने कभी भी उन्हें कोई तकलीफ नहीं दी...!!!

पति - डॉक्टर ने चाय फीकी पीने को कहा है। पत्नी - अलग-अलग चाय नहीं बनाऊंगी, लड्डू खा कर पी लेना, फीकी लगेगी...!!! पति बेहोश...

डॉक्टर (डिप्रेशन की मरीज से) - क्या तकलीफ है...? महिला - सर, दिमाग में बहुत उल्टे-पुल्टे विचार आते हैं, रुकते ही नहीं...! डॉक्टर - कैसे विचार आते हैं...? महिला - जैसे मैं यहां आई थी तो आपके ओपीडी में एक भी मरीज नहीं थे... तो मैं सोचने लगी कि डॉक्टर साहब के पास कोई भी मरीज नहीं है, इनकी कमाई कैसे होगी, घर कैसे चलेगा, इतना पैसा डाला पढ़ाई में... अब क्या करेंगे... अस्पताल बनाने में भी बहुत पैसे लगाया होगा, अब लोन कैसे चुकाएंगे? कहीं किसानों की तरह लटक तो नहीं जाएंगे एक दिन...! ऐसे ही कुछ भी विचार आते रहते हैं... अब डॉक्टर साहब खुद डिप्रेशन में हैं...!

एक सर्वे में पुरुषों से पूछा गया...क्या 40 के बाद गर्लफ्रेंड रखनी चाहिए? 97 प्रतिशत पुरुषों का कहना था- नहीं, 40 गर्लफ्रेंड काफी होती हैं...!!

कहानी | लक्ष्य पर ध्यान

यह उन दिनों की बात है जब स्वामी विवेकानंद अमेरिका में थे। एक दिन वो सैर के लिए निकले और घूमते-घूमते एक पुल के पास पहुंचे। तभी उनकी नजर पुल पर खड़े बच्चों पर गई। सभी बच्चे बंदूक से पुल के नीचे बहती बड़ी-सी नदी में तैर रहे अंडों के छिलकों पर निशाना लगाने की लगातार कोशिश कर रहे थे। कई कोशिशों के बाद भी वो एक बार भी अंडे के छिलके पर सही निशाना नहीं लगा पाए। यह देखकर स्वामी विवेकानंद बड़े हैरान हुए। उनके मन में हुआ कि मुझे भी एक बार कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने बच्चों से बंदूक मांगी और खुद निशाना लगाने लगे। स्वामी ने बंदूक तानी और अंडे के छिलके पर पहली बार में ही निशाना लगा लिया। पहला निशाना सही लगने के बाद उन्होंने एक के बाद एक कई सारे अंडे के छिलकों पर सही निशाना लगाया। स्वामी के निशाने की कला को देखकर बच्चे हैरान रह गए। बच्चों ने स्वामी से पूछा कि आखिर वो कैसे एक के बाद एक सही निशाना लगा रहे हैं। आगे बच्चों ने कहा कि वो बहुत देर से उन छिलकों पर निशाना लगाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। हमें भी बताइए सही तरीके से निशाना लगाने के लिए क्या करना चाहिए। स्वामी विवेकानंद ने बच्चों को जवाब देते हुए कहा कि इस दुनिया में ऐसा कोई काम नहीं है, जो किया नहीं जा सकता। दुनिया में कोई भी काम असंभव नहीं है। बस अपना सारा ध्यान उस काम की तरफ लगाओ, जिसे तुम्हें करना है या जिसे तुम कर रहे हो। उन्होंने आगे बताया कि अगर निशाना लगाते वक्त तुम्हारा सारा ध्यान अंडे के छिलके पर होता, तो तुम निशाना ठीक तरीके से लगा पाते।

कहानी से सीख: लक्ष्य को पूरा करने की चाहत रखने वाले को हमेशा पूरा ध्यान उस लक्ष्य पर ही रखना चाहिए। ऐसा करने से लक्ष्य चूकता नहीं है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आपको बड़े फैसले लेने से बचना होगा। दिन के आरंभ में शुभ समाचार मिलेंगे। पारिवारिक परिवेश में काफी समय से लंबित कार्य पूरे किए जा सकते हैं।

वृषभ

आपके लिए आज का दिन काफी बढ़िया रहने वाला है। आपकी इनकम में जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिलेगी और आपका मन भी हर्षित होगा।

मिथुन

मिथुन राशि वालों आज आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। करियर में आपको सफलता मिलेगी। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए।

कर्क

आज विश्वासघात मिल सकता है। इसलिए इससे सावधान रखें। प्रेम विषयों में सुख- शान्ति के उत्तम योग बने हुए है। माता का स्वास्थ्य चिंता का विषय हो सकता है।

सिंह

आज का दिन कमजोर रहेगा। खास तौर से आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, इसलिए आपको अपने खान-पान और दिनचर्या पर ध्यान देना जरूरी होगा।

कन्या

आज आर्थिक लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आपको यात्रा से लाभ होगा। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा।

तुला

आज का दिन आपके लिए लाभकारी रहेगा। कार्यक्षेत्र पर किए गए प्रयास आने वाले दिनों में आपकी सफलता और प्रगति में योगदान करेंगे।

वृश्चिक

आपके लिए आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप खुद कुआं खोदकर पानी पीने की स्थिति में होंगे। मतलब यह कि जितनी मेहनत करेंगे, उतने नतीजे आपके हाथ में आएंगे।

धनु

आज आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। आय के नए स्रोत सामने आयेंगे। ऑफिस का काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा।

मकर

आज आप जितना समय आराम से बिताएंगे, आपके लिए उतना समय बहुत शांति देने वाला रहेगा। घाटे को रोकने के लिए आपको अटकलों से दूर रहना चाहिए।

कुम्भ

आज इनकम में बढ़ोतरी जरूर होगी, जिससे आपको अच्छा खासा लाभ होगा लेकिन खर्चे भी बढ़ेंगे और किसी की बीमारी पर भी अच्छा खासा पैसा खर्च हो सकता है।

मीन

आज पारिवारिक कार्यों को करने में घर के सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने दोस्तों से निजी समस्याओं को शेयर करने से बचना चाहिए।

एक मां के नेतृत्व को दर्शाती है रानी मुखर्जी की फिल्म

मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे

रानी मुखर्जी ने इस बारे में खुलकर बात की है कि फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे एक मां का नेतृत्व क्यों दर्शाती है। आईएमडीबी के साथ साझा की गई एक विशेष बीटीएस क्लिप में रानी ने कहा, फिल्म एक भावना के साथ प्रतिध्वनित होती है, जो मां की भावना है। यह फिल्म दुनिया के सभी बच्चों को याद दिलाती है कि मां से बड़ी कोई भावना या रिश्ता नहीं है। एक मां के रूप में मैं खुद को सागरिका की जगह नहीं रख पाई क्योंकि अपने बच्चे से अलग होना एक दर्दनाक सोच है।उन्होंने आगे कहा, मैं इसकी कल्पना भी नहीं कर सकती। जानवरों की भी अपने बच्चों के साथ स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है कि अगर कोई उनके बच्चों को ले जाने की कोशिश करेगा, तो मां सीधे हमला कर देगी। इंसानी मांओं के साथ भी ऐसा ही है।

आप अपनी माताओं को धन्यवाद कहना भूल जाते हैं और उन्हें हल्के में लेते हैं। मुझे उम्मीद है कि इस फिल्म को देखने के बाद, बहुत सारे बेटे और बेटियां अपनी माताओं के पास पहुंचेंगे और उन्हें कसकर गले और किस देंगे। मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे का निर्देशन आशिमा चिब्बर ने किया है। इसमें रानी मुखर्जी, अनिर्बान भट्टाचार्य, नीना गुप्ता और जिम सर्भ हैं। फिल्म एक भारतीय कपल की सच्ची कहानी है, जो एक मां पर आधारित है – सागरिका चक्रवर्ती की आत्मकथा जिसका शीर्षक द जर्नी ऑफ ए मदर है, जिसके बच्चों को 2011 में नॉर्वेजियन चाइल्डकेयर सिस्टम (बार्नवेर्नेट) ने उनसे छीन लिया था।

बॉलीवुड | मसाला

रामचरण को मिला हॉलीवुड प्रोजेक्ट

फिल्म RRR से ग्लोबल स्टार बन चुके राम चरण के चर्चे हर तरफ हो रहे हैं। राम ऑस्कर अवॉर्ड अपने गाने के नाम कर भारत वापस आ चुके हैं। एक कान्क्लेव में पूछे गये प्रश्न के जवाब में राम चरण ने कहा कि मेरी मां कहती हैं सबकी नजर नहीं लगनी चाहिए। हम सभी हर उस इंडस्ट्री में काम करना चाहते हैं जहां टैलेंट की कद्र होती है। इसके अलावा राम चरण से पूछा गया कि क्या टॉम क्रूज ऑस्कर्स 2023 में उनसे मिलने के लिए उन्हें ढूंढ रहे थे? जवाब में राम बोले कि नहीं, ऐसा नहीं है। अभी तो टॉम क्रूज से मैं मिलना चाहता हूं। शायद हो सकता है भविष्य में वो मुझसे मिलना चाहें। अभी मैं इस बारे में कुछ कह नहीं सकता। पर हां मैं जरूर चाहूंगा कि ऐसा हो। हो सकता है कि राजमौली आगे आने वाले समय में फिल्म टॉपगन बनाएं।

इस इवेंट में राम चरण ने ये भी बताया कि उनके पिता ने उन्हें इंडस्ट्री को लेकर क्या सीख दी थी। राम कहते हैं कि एक फॉर्मूला जो मेरे पिता चिरंजीवी ने मुझे पहले दिन, मेरी पहली फिल्म के समय मुझे सिखाया था वो ये था कि स्टाफ का ध्यान रखो। उनकी इज्जत करो। अगर उन्होंने तुम्हारे बारे में बात करना शुरू कर दिया तो तुम्हारा करियर खत्म हो जाएगा। तो मैं हमेशा अपने स्टाफ का ध्यान रखता हूं। राम चरण ने बताया कि मैं मिस्टर शंकर के साथ फिल्म में काम कर रहा हूं। इसके अलावा रंगासलम में मैं काम कर रहा हूं। ये बड़ा प्रोजेक्ट है। सितंबर में इसकी शूटिंग शुरू होगी। इस फिल्म में पूरी क्षमता है वेस्ट में जानी है। ये भारत की मिट्टी की कहानी है। अभी मैं साल में दो फिल्में करने की कोशिश कर रहा हूं। मेरे सिर पर बहुत ईएमआई हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

आस्कर के मंच पर स्पीच का मौका न मिलने से दुखी हूं : गुनीत मोंगा

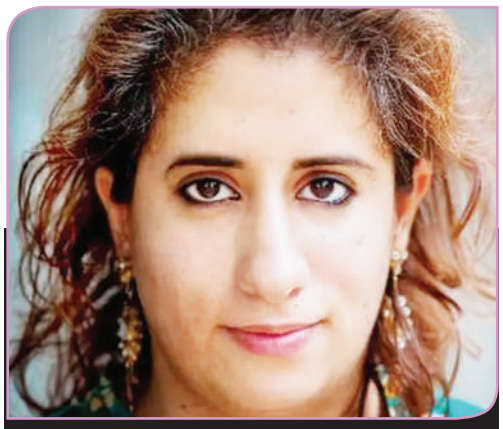

ऑस्कर्स 2023 में भारतीय फिल्मों के चर्चे हुए। RRR के गाने नाटू नाटू पर हॉलीवुड सेलेब्स झूमे तो वहीं प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा की शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म द एलिफेंट व्हिस्परर्स ने अवॉर्ड जीतकर भारतीय जनता का सीना गर्व से और चौड़ा कर दिया लेकिन ऑस्कर्स 2023 के मंच पर गुनीत मोंगा को अपनी जीत के बाद स्पीच देने का मौका नहीं मिला। इसके चलते वो काफी निराश भी हुईं। गुनीत मोंगा और डायरेक्टर कार्तिकी गोंसाल्वेस ऑस्कर जीतने के बाद अवॉर्ड शो के मंच पर अपनी एक्सेप्टेन्स स्पीच देने पहुंची थीं। कार्तिकी को अपनी पूरी स्पीच देने का मौका मिला, जबकि गुनीत के समय म्यूजिक बजाय दिया गया और उन्हें स्टेज से जाना पड़ा। गुनीत की जीत के बाद ऑस्कर्स 2023 में बेस्ट एनिमेटेड शॉर्ट फिल्म का ऐलान हुआ था। इसके विजेता Charlie Mackesy और Matthew Freud थे। इन दोनों को ही स्टेज पर अपनी-अपनी स्पीच देने का मौका दिया गया था। ऐसे में ऑस्कर्स 2023 के मंच पर गुनीत मोंगा के साथ हुई इस नाइंसाफी पर कई फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाए थे। कुछ ने कहा था कि ऑस्कर ने ये सही नहीं किया। तो कुछ ने कहा था कि गुनीत रंगभेद का शिकार हुई हैं। अब इस बारे में प्रोड्यूसर गुनीत ने एक इंटरव्यू में बात की है। उन्होंने बताया है कि ऑस्कर्स 2023 के मंच पर स्पीच ना दे पाने पर वो दुखी हो गई थीं। इंटरव्यू में प्रोड्यूसर ने कहा कि स्टेज पर अपनी बात ना कह पाने पर वो दुखी थीं और उनके चेहरे पर शॉक देखा जा सकता था। उन्होंने कहा कि वो इस बात को हाईलाइट करना चाहती थी कि ये किसी इंडियन प्रोडक्शन में बनी फिल्म का पहला ऑस्कर है। इसके अलावा गुनीत ने खुद को मिलने वाले ऑनलाइन सपोर्ट पर भी बात की। उन्होंने कहा, ये भारत का मोमेंट था जो मुझसे छीन लिया गया। बाद में ऑस्कर के प्रेस रूम में गुनीत मोंगा को अपनी पूरी स्पीच बोलने का मौका मिला था। उन्होंने खुलकर अपनी बात कही थी।

यहां कबूतरों से करवा रहे हैं ड्रग्स की तस्करी, जेलों में है सबसे ज्यादा डिमांड

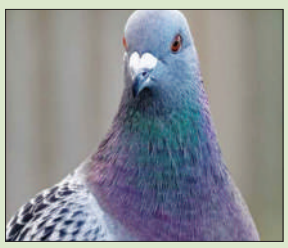

क्रीमिनल्स का दिमाग बहुत तेज चलता है और वे क्राइम करके बचने के नए नए तरीके अपनाते हैं। वहीं पुलिस भी ऐसे क्रिमनल्स पर लगाम लगाने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाती है। आपने ड्रग तस्करी के कई अनोखे मामले देखें होंगे। क्रीमिनल्स तस्करी करने के नए नए और अनोखे तरीके ढूंढते हैं। आपने भी ऐसे अनोखे मामतों के बारे में पढ़ा और सुना होगा। एक ऐसा ही ड्रग तस्करी का अनोखा मामला कनाडा में सामने आया है। यहां कबूतर ड्रग तस्करी करते हुए पकड़े गए हैं। दरअसल, कनाडा की जेलों में पिछले कुछ समय से कबूतरों की संख्या बढ़ गई थी। पहले तो किसी का ध्यान इस ओर नहीं गया लेकिन बाद में पता चला कि ये कबूतर ड्रग्स सप्लाई का काम कर रहे हैं। इनकी ड्रग तस्करी के तरीके के बारे में जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। ये कबूतर जेल में बंद कैदियों को ड्रग्स सप्लाई कर रहे थे। इन कबूतरों को ड्रग्स की तस्करी करने के लिए खास तरीके की ट्रेनिंग दी जाती थी। कनाडा में जनवरी माह में इस तरह का मामला सामने आया था। दरअसल, यहां एक कबूतर को पकड़ा गया, जिसके पास एक छोटा सा बैग मिला। उस बैग में ड्रग्स भरी थी। कबूतर के कंधे पर एक छोटा बैग था, जिसमें क्रि स्टल मेथ भरा हुआ था। इसके बाद अधिकारीयों की नजर ऐसे अन्य कबूतरों पड़ी। कुछ दिन बाद एक और कबूतर पकड़ा गया लेकिन इस बार उसका बैग खाली था। मतलब इस कबूतर ने ड्रग्स की डिलीवरी कर दी थी। इस घटना के बारे में जानकर अधिकारीयों के होश उड़ गए। मामला साम आने के बाद इसकी जांच शुरू की गई। इस जांच में कई बातें सामने आई। जिन कबूतरों के कंधे से बैग मिले, वो कैदियों के यूनिफॉर्म से बनी थी। कैदियों ने ही इन्हें ड्रग्स सप्लाई करने के लिए ट्रेनिंग दी होगी। बताया जा रहा है कि जेल के कैदी पहले इन्हें लगातार खाना दे रहे थे। इससे वो हर दिन इनके पास आने लगे। जब कबूतर इनके नजदीक आने लगे तो इनके कंधे पर बैग्स टांगकर उसमें से ड्रग्स की सप्लाई शुरू की गई। फिलहाल जेल में पहरेदारी सख्त कर दी गई है और कबूतरों पर खास नजर रखी जा रही है।

अजब-गजब | आस्टेलिया के इस क्षेत्र में है डॉक्टर की जरूरत

साढ़े चार करोड़ की सैलरी और रहने के लिए आलिशान घर, फिर भी नहीं मिल रहे इंप्लाई

अक्सर लोगों की चाहत यही होती है कि एक अच्छी-खासी सैलरी वाली नौकरी, रहने के लिए एक घर, एक छोटा सा परिवार और घर के बाहर खड़ी एक कार हो। लोग ऐसी नौकरी पाने के लिए दुनिया के किसी कोने में भी माइग्रेट होने के लिए तैयार भी रहते हैं। लेकिन अगर हम आपको बताएं कि एक ऐसी नौकरी है जिसे करने के लिए लोगों को करोड़ो में सैलरी मिल रही है और रहने के लिए एक आलिशान घर, लेकिन फिर भी लोग उसे नहीं करना छह रहे है तो आपको यह जानकर कैसा लगेगा? जाहिर सी बात है कि आपको जानकर हैरानी ही होगी। लेकिन यह सच है!

दरअसल ये नौकरी एक डॉक्टर की है, ऐसे में बेसिक क्वॉलिफिकेशन तो जरूरी ही है और अगर किसी के पास ये डिग्री है तो उसे ऑस्ट्रेलिया में ये नौकरी मिल सकती है। यह जॉब ऑस्ट्रेलिया के एक सुदूर गांव क्विराडिंग में निकली है। इस छोटे से गांव में एक सामान्य चिकित्सक की आवश्यकता है। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में स्थित इस गांव में एक डॉक्टर को 4 करोड़ 60 हजार रुपये से ज्यादा की सैलरी का ऑफर दिया जा रहा है। साथ ही उन्हें नौकरी के साथ रहने के लिए एक अच्छा 4 बेडरूम का घर भी मिल जाएगा। यह गांव ऑस्ट्रेलिया के शहर पर्थ से 170 किलोमीटर दूर है और यहां सालों से जनरल प्रैक्टिशनर की कमी है। यहां 600 से ज्यादा लोग रहते हैं, लेकिन उनकी बीमारी के इलाज के लिए कोई डॉक्टर या मेडिकल स्टोर नहीं है।

दीदी ने राहुल और कांग्रेस की छवि खराब करने का किया सौदा : अधीर

» ईडी-सीबीआई से डरीं ममता बनर्जी, मोदी के इशारे पर बोल रहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर उनके बयान को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इशारे पर बोल रही हैं। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ममता बनर्जी पीएम मोदी के इशारे पर बोल रही हैं। प्रधानमंत्री और दीदी में राहुल गांधी और कांग्रेस की छवि खराब करने का सौदा है। वह ईडी-सीबीआई के छापे से खुद को बचाना चाहती हैं, इसलिए वह कांग्रेस के खिलाफ हैं, क्योंकि पीएम इससे खुश होंगे।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि ममता बनर्जी और पीएम मोदी का मकसद कांग्रेस और राहुल गांधी को तबाह करना और इनकी छवि धूमिल करना है। ममता बनर्जी का नारा बदल चुका है। वे ईडी-सीबीआई से बचना चाहती हैं। जो भी कांग्रेस का विरोध करेगा, उससे मोदी खुश होंगे। ममता बनर्जी का सबसे बड़ा प्रयास पीएम मोदी को खुश करना है।

अधीर ने की आरएसएस से सांठगांठ : टीएमसी

ममता बनर्जी ने अधीर रंजन चौधरी पर भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस) से सांठगांठ का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चौधरी अल्पसंख्यकों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। वे आरएसएस के इशारे पर काम कर रहे हैं।

ममता बनर्जी ने ये कहा था

रविवार को ममता बनर्जी ने भाजपा पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हीरो बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मौजूदा मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए संसद की कार्यवाही को बाधित किया जा रहा है। मुर्शिदाबाद जिले में तृणमूल कांग्रेस की बैठक के दौरान फोन पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा से लड़ने में कांग्रेस विफल रही है। बंगाल में उनकी भाजपा के साथ साठगांठ है। भाजपा जानबूझकर राहुल गांधी को ब्रिटेन में की गई उनकी टिप्पणियों पर संसद की कार्यवाही को बाधित कर उन्हें हीरो बनाने की कोशिश कर रही है।

सरकार झुकी, बिजली कर्मियों की हड़ताल खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । योगी सरकार ने बिजली कर्मियों की मांगों के आगे झुकते हुए उनके बर्खास्तगी खत्म करने का आदेश जारी कर दिया साथ ही उनके मुकदमे वापस लेने की भी घोषणा की। उत्तर प्रदेश में 65 घंटे से चल रही बिजली कर्मियों की हड़ताल रविवार दोपहर करीब तीन बजे खत्म हो गई। सभी बिजली कर्मी काम पर लौट गए हैं। इससे लोगों ने राहत की सांस ली है।

ऊर्जा मंत्री ने कर्मचारियों पर लगे एस्मा सहित सभी तरह के मुकदमे हटाने और निलंबन वापस लेने के निर्देश दिए हैं। बर्खास्त संविदाकर्मियों को भी काम पर लेने का निर्देश दिया है। उधर देर शाम कर्मचारी नेता एवं विभाग के अफसर हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखने के लिए रवाना हो गए हैं। इन्हें सोमवार को होईकोर्ट ने हाजिर होने का आदेश दिया है।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा से सकारात्मक बातचीत हुई है। उन्होंने तीन दिसंबर को हुए समझौते के क्रियांवयन और अन्य मांगों के समाधान का आश्वासन दिया है। ऊर्जा मंत्री ने निगमों के अध्यक्ष एम देवराज को सभी निलंबन, निष्कासन, एफआईआर सहित सभी तरह की कार्रवाई वापस लेने का निर्देश दिया है। इस वजह से हड़ताल स्थगित कर दी गई है। कर्मचारियों के हक की लड़ाई लड़ी जाएगी। हम लोग हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखने के लिए रवाना हो गए हैं।

उन्नाव : पत्नी और दुधमुंही बच्ची को काटा, फिर लगाई फांसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उन्नाव। जिले में एक दिलदहलाने वाली घटना सामने आई है। बारासगवर थाना इलाके की मझिगंवा ग्राम पंचायत के मजरा रूदी खेड़ा में पारिवारिक कलह में युवक ने पत्नी और चार माह की दुधमुंही बच्ची की कुल्हाड़ी से लगातार वार कर हत्या कर दी। इसके बाद पत्नी की साड़ी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था लेकिन सफलता न मिलने से मानसिक परेशान रहता था।

बरासगवर थाना क्षेत्र के रूदीखेड़ा गांव निवासी सेवानिवृत्त कानूनगो श्यामलाल का बेटा मोहन कुमार (35) पत्नी सीमा (30) और चार माह की बेटी के साथ अलग घर बनाकर रहता था। रविवार देर रात पारिवारिक कलह में पत्नी से विवाद के बाद कमर बंद कर पत्नी की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। इसके बाद चार माह की बेटी की भी हत्या करने के बाद खुद भी उसी कमरे में फंसी लगाकर जान दे दी। घर के पास ही स्थित जगन्नाथेश्वर मंदिर में भागवत कथा चलने से मोहल्ले व गांव के लोग वहीं थे। कथा के बाद पड़ोस के लोग घरों में पहुंचे तो कुछ महिलाओं ने मोहन के घर में चीख पुकार के बाद बिल्कुल सन्नाटा होने की जानकारी दी।

दो साल पहले हुई थी शादी

भाई सोहन के अनुसार, मोहन प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के साथ ही, नौकरी के लिए प्रयास करने और असफल होने से मानसिक परेशान रहता था। उसका लखनऊ में इलाज भी चल रहा था। दो साल पहले उसकी शादी हुई थी। अपर पुलिस अधीक्षक शशि शेखर सिंह भी घटना स्थल पहुंचे और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर जांच कराई। रात दो बजे तीनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए।

नगर निगम व जलकल विभाग शहर को बना रहा बीमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ-गर्मी का मौसम शुरू होते ही मच्छर जनित बीमारियां तेजी से फैलती है। दूसरी ओर राजधानी में मिले कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या जनता की चिंता बढ़ती जा रही है। ऐसे में नगर निगम व जलकल के अधिकारियों की हीलाहवाली से जनता बेबस और परेशान लाचार व ठगा सा महसूस कर रही है। जहां नगर निगम के हांथो पर शहर को साफ बनाने की जिम्मेदारी है उस जिम्मेदारी का भार नगर निगम के कर्मचारी व अधिकारी उठाने से बचते हुए नजर आ रहे है।

सीवर का पानी सड़क पर

कैसरबाग से लेकर सिटी स्टेशन तक खुली हुई नालिया सड़क पर बहता हुआ गंदा पानी चौक हुए सीवर के चीख-चीख कर कह रहे हैं जलकल विभाग की कथनी और करनी में जमीन आसमान का फर्क है। कैसरबाग बस स्टैंड व सिटी स्टेशन के बीच में स्थानीय लोगों आते जाते लोगों के लिए पीने के पानी की जो पंक्तियां लगाई गई थी वह भी पूरी तरीके से बंद हो गई है जिससे गर्मी के मौसम में अब जनता बेहाल होने वाली है जिम्मेदारों से जब इस बाबत सवाल किए जाते हैं तो यह कहकर पल्ला झाड़ लिया जाता है कि काम किया जा रहा है जबकि जो काम समय पर पूरा हो जाना चाहिए था वह सालों साल लटका रहता है कैसरबाग से सिटी स्टेशन रोड पर कई जगहों पर जल कल विभाग ने अधूरा काम छोड़ रखा है जिससे स्थानीय लोगों को आने-जाने वाले वाहन चालकों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि हम देखेते हैं मंडलायुक्त रोशन जैकब नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह लखनऊ के प्रभारी मंत्री इन मूलभूत आवश्यकताओं पर कब तक गौर फरमाएंगे कब असुविधा को खत्म किया जाएगा।

ऐसी बल्लेबाजी के सहारे कैसे जीतेंगे वर्ल्ड कप!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय टीम को दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया से शर्मनाक 10 विकेट की हार मिली। विशाखापत्तन की यह हार भारत के लिए अच्छे संकेत नही है क्योंकि वनडे वर्ल्ड कप 2023 इस साल भारत में ही होना है। जब आप विश्व कप की तैयारी कर रहे हैं और इस तरह से बल्लेबाजों का प्रदर्शन पर हर कोई सवाल करेगा ही। टीम का प्रबंध इस पर चर्चा करेगा।

दूसरे वनडे में कंगारू टीम की ओर मिशेल स्टार्क ने 5 विकेट लिया। यह अलग बात यह है कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब टीम इंडिया की सबसे मजबूत कड़ी माने जाने वाली बैटिंग की उसकी सबसे बड़ी कमाजोरी साबित हुई। विशाखापत्तनम में तो उसने 117 रन बनाए थे, लेकिन वनडे इतिहास में 7 बार ऐसा हुआ है जब टीम इंडिया 100 रन तक भी नहीं पहुंच सका है। टेस्ट में उसका लोएस्ट स्कोर 36 रन है तो वनडे में यह रिकॉर्ड 54 रनों का है।

» वनडे में भारत की सबसे बुरी हार

» ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में 10 विकेट से रौंदा

» पहले यह रिकॉर्ड 54 रनों का था

भारत 100 रनों तक भी नहीं पहुंच सका

स्कोर	टीम	कहां	कब
54	श्रीलंका	शारजाह	29 अक्टूबर 2000
63	ऑस्ट्रेलिया	सिडनी	8 जनवरी 1981
78	श्रीलंका	कानपुर	24 दिसंबर 1986
79	पाकिस्तान	सियालकोट	13 अक्टूबर 1978
88	न्यूजीलैंड	दांबुला	10 अगस्त 2010
91	द. अफ्रीका	डरबन	22 नवंबर 2006
92	न्यूजीलैंड	हैमिल्टन	31 जनवरी 2019

अब तक सात बार टीम कम रनों पर हुई ऑलआउट

सौरव गांगुली कप्तान थे और 29 अक्टूबर 2000 को श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ 54 रनों पर ढेर हो गई थी। इस मैच में भारत की ओर से सिर्फ एक बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सका था। शारजाह में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम 26.3 ओवरों में ऑलआउट हो गई थी। यह उसका वनडे इतिहास का सबसे लोएस्ट स्कोर है। इसके अलावा भारतीय टीम 63, 78, 79, 88, 91 और 92 रनों पर ढेर हो चुका है। यानी 7 मौके ऐसे आए जब भारत तिहाई के अंकों तक नहीं पहुंच सका।

सपा 2024 में मोदी सरकार को उखाड़ फेंकेगी

» समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अखिलेश बोले-पार्टी सड़क से सदन तक करेगी आंदोलन

लखनऊ। 2024 के लोक सभा चुनाव में भाजपा का सुपड़ा साफ करने व सपा को भारी जीत के संकल्प के साथ सपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हो गई। दो दिन तक पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में चले अधिवेशन में सपा ने मोदी सरकार को घेरने की रणनीति पर भी चर्चा की साथ अध्यक्ष अखिलेश यदव ने कहा कि क्षेत्रीय दलों को एकजुट होकर तानाशाह सराकर के खिलाफ खंड़ा होना होगा। उन्होंने कांग्रेस को अपना स्टैंड क्लियर करने को भी कहा।

जिन बूथों पर अभी तक पार्टी को कम वोट मिलते रहे हैं, वहां पैठ बढ़ाई जाएगी। इसके लिए त्रिस्तरीय रणनीति होगी। हर माह कोई न कोई कार्यक्रम किया जाएगा। पार्टी भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी। पार्टी कार्यकर्ता ही नहीं आमजन के उत्पीड़न को मुद्दा बनाते हुए निरंतर जनता के बीच में रहेगी। पार्टी के सभी विधायक और पदाधिकारी वोटबैंक को बढ़ाने के लिए

क्षेत्रवार अभियान चलाएंगे। बैठक को संबोधित करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी बनाने के संकल्प को दोहराया। इस बीच प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल सहित विभिन्न राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों ने अपनी कार्य योजना प्रस्तुत की। इसमें बताया गया कि भाजपा को केंद्रीय सत्ता से बेदखल करने का माद्दा उत्तर प्रदेश रखता है। यदि उत्तर प्रदेश में सपा ने भाजपा को मात दी तो इसका सीधा असर केंद्र पर पड़ेगा। अन्य क्षेत्रीय दल भी सपा की ओर देख रहे हैं। ऐसे में पार्टी की जिम्मेदारी ज्यादा है। कोलकाता से लौटते ही सभी पदाधिकारी 2024 चुनाव जीतने के लिए तत्पर हो जाएंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता शिकायत करते हैं कि अमेठी व रायबरेली में कांग्रेस के लोग वोट तो ले लेते हैं पर कोई मुश्किल होने पर उनके साथ खड़े नहीं होते हैं। उन्होंने कहा कि हम इन सीटों पर भी उम्मीदवार उतारने पर विचार कर रहे हैं।

50 सीटें जीतने का लक्ष्य : शिवपाल यादव

बैठक के बाद शिवपाल यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में पार्टी 50 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रही है। हालांकि वह कोलकाता से लखनऊ के लिए रवाना हो गए हैं। इसके पीछे सहकारिता चुनाव बताया जा रहा है। सपा आगामी दिनों में भी जातीय जनगणना को मुद्दा बनाएगी। पूरी पार्टी इस पर एक मत में दिखी। नेताओं का मानना था कि इसे मुद्दा बनाया जाए और लोगों तक लेकर जाया जाए। पार्टी के नेताओं ने शनिवार को कहा कि पार्टी के संगठन को और मजबूत किया जाए। संगठन जितना मजबूत होगा, पार्टी उतनी मजबूत होगी। बताया जा रहा है कि आगामी दिनों में पार्टी के संगठन को मजबूत करने के लिए कई अहम कदम उठाए जाएंगे।

वाम और कांग्रेस अपनी भूमिका खुद तय करें : अखिलेश

अखिलेश ने कहा, कांग्रेस और वाम मोर्चा दोनों ही बड़ी पार्टियां हैं। आने वाले समय में उनको खुद ही अपनी भूमिका तय करनी होगी। तीसरे मोर्चे में कौन होगा, इस पर बात हो चुकी है। कांग्रेस और वाम के इतर समान विचारधारा वाली राजनीतिक पार्टियों से बातचीत कर रहे हैं। क्षेत्रीय दलों की भूमिका अहम होने वाली है।

धार्मिक मामलों पर नहीं देंगे प्रतिक्रिया : सपा अध्यक्ष

सपा ने रामचरित मानस की चौपाई के बहाने 85-15 के फॉर्मूले के हिसाब से बंटवारा कर पिछड़ों को पक्ष में करने की मुहिम से पैर पीछे खींच लिए हैं। बैठक में धार्मिक पुस्तकों और धर्म से जुड़े संतों पर टिप्पणी से बचने का संदेश देकर समाज में किसी को भी छोड़ने की जगह सभी वर्गों को साधने की रणनीति पर बढ़ने का संदेश दिया गया है।

एक और आरोपी के घर पर चला बुलडोजर

» उमेश पाल हत्याकांड : 25 दिन बाद भी आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लगातार कस रहा है शिकंजा

दिवंगत बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल और उसके दो सरकारी गनर की प्रयागराज में हत्या के बाद फरार शूटरों की तलाश में पुलिस और एसीआइटी की टीमें जांच में जुटी है। आरोपितों की तलाश और उनके अवैध कब्जे पर लगातार प्रशासन का शिकंजा कसता जा रहा है। उमेश पाल हत्याकांड के बाद से माफिया अतीक अहमद के खास शूटरों में से एक गुलाम की तलाश की जा रही है। उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर की हत्या 24 फरवरी को कर दी गई थी। हत्याकांड के बाद पुलिस संग पीडीए ने माफिया, उसके करीबियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

नई दिली। उमेशपाल की हत्याकांड के 25 दिन बाद माफिया अतीक अहमद के शूटर और उहत्या कांड में शामिल गुलाम मोहम्मद के मकान को गिराने की कार्रवाई शुरू कइ दी गई है। हालांकि पुलिस अबभी आरेपियों को पकड़ने में नाकामयाब है।

उधर यह कार्रवाई प्रयागराज विकास प्राधिकरण की तरफ का दोपहर 12 बजे के बाद शुरू की गई। दो बुलडोजर से 335 वर्ग मीटर में बने अवैध निर्माण को ढहाने की प्रक्रिया में जुटे। आरोप है कि आस्थान की जमीन पर अवैध निर्माण कर मकान बनाया है। पुलिस ने गुलाम पर 5 लाख का इनाम भी घोषित किया है। शुरू की। इससे पहले तीन करीबियों के अवैध निर्माण को ढहाया जा चुका है। पीडीए के एक अधिकारी ने बताया कि शूटर गुलाम मोहम्मद मेंहदौरी उपरहार में लगभग 335 वर्ग मीटर में मानचित्र पास कराए बिना राजकीय आस्थान की जमीन पर अवैध निर्माण किया है। अवैध निर्माण ढहाने को पीडीए की ओर से 13 फरवरी को ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया गया है। सोमवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हो रही है।

फोटो:4 पीएम

विश्व गौरैया दिवस विश्व भर में आज गौरैया दिवस मनाया जा रहा है। विश्व के कई देशों में गौरैया पायी जाती हैं। यह दिवस लोगों में गौरैया के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उनके संरक्षण के लिए मनाया जाता है।

ओलावृष्टि-बारिश की वजह से हुआ ठंड का एहसास

» प्रदेश में अभी और मौसम बिगड़ने के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मार्च के महीने की शुरुआत में गर्मी बढ़ने की खबरों के बाद आखिरी के दिनों में मौसम में अचानक आए परिवर्तन से लोगों को ठंड का एहसास हुआ। बीते दो दिनों से उत्तर भारत के कई इलाकों में बारिश व ओलावृष्टि से फसलों को भी भारी नुकसान हुआ है। उधर मौसम विभाग ने अभी बारिश व ओलावृष्टि और जगहों पर होने की आशंका जताते हुए आरेंज एलर्ट जारी किया।

इससे पहले रविवार को भी ललितपुर और आगरा के आसपास समेत कई इलाकों में ओले गिरे और बारिश भी हुई। साथ ही कानपुर, हमीरपुर व आसपास बारिश भी होती रही, जबकि लखनऊ में दिन भर बादलों की आवाजाही बनी रही। एक अन्य पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण और राजस्थान के पास दो चक्रवातीय दबाव क्षेत्र होने के चलते प्रदेश में सोमवार को कई स्थानों पर ओलावृष्टि, तेज धूल भरी हवाएं और बारिश होने के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र ने इसको लेकर येलो और ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। इन सबके बीच रविवार को भी ललितपुर और आगरा के आसपास समेत कई इलाकों में ओले गिरे और बारिश भी हुई। साथ ही कानपुर, हमीरपुर व आसपास बारिश भी होती रही, जबकि लखनऊ में दिन भर बादलों की आवाजाही बनी रही।

इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट

मौसम विज्ञान केंद्र ने लखनऊ, सीतापुर, रायबरेली, बाराबंकी, सुल्तानपुर, आगरा, अंबेडकरनगर, अमेठी, अयोध्या, गोंडा, बांदा, बरेली, चित्रकूट, औरैया, एटा, इटावा, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, फिरोजाबाद, हरदोई, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कासगंज, कौशांबी, मैनपुरी, मिर्जापुर, पीलीभीत, प्रतापगढ़, प्रयागराज, संभल, शाहजहांपुर, सोनभद्र, उन्नाव में ओलावृष्टि को लेकर अलर्ट जारी किया है। जबकि प्रदेश के लगभग सभी जिलों के लिए मौसम विभाग की ओर से सोमवार को गरज-चमक के साथ धूल भरे तेज अंधड़ों को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।